प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
02.06.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

ऑपरेशन सिंदूर के तहत देश के निरंतर प्रयासों और आतंकवाद के विरूद्ध भारत के सैद्धांतिक दृढ रवैये के अनुरूप सांसदों वाले सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अपने आउटरीच कार्यक्रम के साथ विभिन्न देशों की यात्रा पर हैं। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद और इसके सभी रूपों को कतई बर्दाश्त न करने के भारत के सशक्त संदेश का प्रसार कर रहे हैं। एनसीपी–एससीपी की सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल मिस्र पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल ने कल अपनी इथियोपिया की यात्रा सम्पन्न की। जनता दल–यूनाइटेड के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने मलेशिया के नेशनल यूनिटी के उपमंत्री के नेतृत्व में पीपुल्स जस्टिस पार्टी के प्रतिनिधियों और पार्टी केदिलन राक्यत के साथ बैठक की। इससे पहले शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने लाइबेरिया में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत की। इस चर्चा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद और इसके सभी रूपों से मुकाबले के प्रति भारत की एकजुट राष्ट्रीय भावना और समेकित राजनीतिक इच्छा से भारतीय समुदाय के सदस्यों को अवगत करवाया। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इस मामले में समर्थन प्राप्त हुआ।

श्रीकांत शिंदे ने कहा कि चार से पांच दशकों तक आतंकवाद के विरूद्ध लडाई के बावजूद भारत अभी भी प्रौद्योगिकी में एक बडी शक्ति है।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्रिटेन की विदेश मंत्री प्रीति पटेल के साथ बैठक की और सीमापार आतंकवाद से निपटने में भारत की दृढ इच्छाशक्ति को साझा किया। भारत के जारी प्रयासों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किस तरह न्यू नॉर्मल स्थापित किया, इससे प्रतिनिधिमंडल ने प्रीति पटेल और उनकी टीम को अवगत कराया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फिलहाल ब्राजील की यात्रा पर है। यह प्रतिनिधिमंडल कल अमरीका पहुंचेगा।

.....

कुलपति

राज्यपाल व प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलाधिपति शिव प्रताप शुक्ल ने डॉक्टर महावीर सिंह को विश्वविद्यालय का नया कुलपति नियुक्त किया है। डॉक्टर महावीर सिंह प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के भौतिक विज्ञान विभाग में प्रौफेसर के पद पर कार्यरत है। उनकी नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है।

.....

प्लास्टिक प्रतिबंध

प्रदेश को पॉलीथीन मुक्त बनाने और राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य को बरकरार रखने के उददेश्य से सिंगल यूज प्लास्टिक के कुछ सामानों पर प्रतिबंध लगाने के बाद एक जून 2025 से 5 सौ मिलीलीटर से कम की पीईटी पानी की बोतलों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पर्यावरण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी व जलवायु परिवर्तन विभाग के मुख्य वैज्ञानिक सुरेश सी. अत्री ने बताया कि शुरुआती चरण में सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों द्वारा आयोजित की जाने वाली बैठकों, सम्मेलनों और कार्यक्रमों के साथ–साथ पर्यटन विकास निगम के होटलों और निजी होटलों में ये प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अब यदि कोई इन बोतलों का प्रयोग करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और 5 सौ से लेकर 10 हजार रुपए तक जुर्माना भी वसूला जाएगा।

.....